TRACI Inter-Church Sunday School Fest 2017

(On 14 October 2017 at St. Mary's School, Safdarjung Enclave from 8:00 am to 4:00 pm)

Website: http://icssf.org/ Email: info@icssf.org

Theme: "i Connect with Jesus"

SYLLABUS - पाठ्यक्रम

Age 13-16 years as on September 30, 2017
(Date of birth from October 1, 2001 to September 30, 2004)

Topic: समानता (Equality)

बाईबल खंड	अध्याय	प्रश्नों के प्रकार
लुका	14	रिक्त स्थान भरो
यूहन्ना	13	सही या गलत
प्रेरितों के काम	10	किसने किससे कहा
रोमिओ	2-3	सही उत्तर का चुनाव करें
गलतियों	3	पद के सन्दर्भ
इफिसियों	5	
कुल्लुसियों	1	
याकूब	2	
प्रकाशितवाक्य	7	
दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित एक प्रश्न दिया जायेगा।		

याद करने वाले पद (स्मरण पद) - 10

1	व्यवस्थाविवरण 10:17	क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा वही ईश्वरों का परमेश्वर और प्रभुओं का प्रभु है, वह महान पराक्रमी और भय योग्य इश्वर है, जो किसी का पक्ष नहीं करता और न घूस लेता है।
2	इफिसियों 2:14	क्योंकि वही हमारा मेल है जिसने दोनों को एक कर लिया और अलग करने वाली दीवार को जो बीच में थी, ढा दिया।
3	इफिसियों 5:21	मसीह के भय से एक दसरे के आधीन रहो।
4	1 यूहन्ना 2:2	और वही हमारे पापों का प्रायश्चित है और केवल हमारे ही नहीं, वरन सारे जगत के पापों का भी।
5	इब्रानियों 12:14	सब से मेल मिलाप रखो, और उस पवित्रता के खोजी हो जीसके बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा।
6	फिलिप्पियों 2:3	विरोध या झूटी बढ़ाई के लिए कुछ न करो, पर दीनता से एक दुसरे को अपने से अच्छा समझो।
7	नीतिवचन 22:2	धनि और निर्धन दोनों एक दसरे से मिलते है; यहोवा उन दोनों का करता है।
8	भजन संहिता 67:4	राज्य राज्य के लोग आनन्द करें, और जयजयकार करें, क्यूंकि तू देश देश के लोगों का न्याय धर्म से करेगा और पथ्वी के राज्य राज्य के लोगों की अगुवाई करेगा।
9	लूका 14:13-14	परन्तु जब तू भोज करे तो कंगालों, टून्डों, लंगड़ों और अंधों को बुला। तब तू धन्य होगा, क्योंकि उनके पास तझे बदला देने को कुछ नहीं, परन्तु तझे धर्मियों के जी उठने पर इसका प्रतिफल मिलेगा।
10	गलतियों 3:26-29	क्योंकि तमु सब उस विश्वास के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो। और तमु में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्हों ने मसीह को पदहन शलया। है अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी, न कोई दास न स्वंतत्र, और न कोई नर न नारी, क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो। और यदि तुम मसीह के हो तो अब्राहम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।

हिंदी में बी.एस.आई. बाईबल का उपयोग करें

सामान्य सूचना में लिखी जानकारी को अवश्य पढ़ें (Please read the General Information page)

वाग्मिता / निबंध लेखन प्रतियोगिता (Elocution/Essay Writing Competition)

13 - 16 वर्ष के समूह के प्रतियोगी यह तय करें की वह चर्चा वाग्मिता (Elocution) या लघु निबंध (Short Essay Writing) में भाग लेंगे।

नीचे दिए गए बाईबल के तीन खण्डों में से किसी एक खंड के ऊपर, भारतवर्ष के वर्तमान सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करना या लघु निबंध लिखना होगा। प्रतेक प्रतियोगी को बाईबल के खंड और दिए गए विषय के साथ सम्भन्ध स्थापित करना होगा।

प्रतियोगीता से ठीक आधे घंटे पहले प्रतियोगी को विषय का खंड दिया जायेगा।

तैयारी के लिए बाईबल के तीन खंड इस प्रकार है:

1. मत्ती 6: 25 - 34
2. यूहन्ना 8: 2 - 11
3. इफिसियों 2: 11 - 22

.....

लघु निबंध लिखने वालों को केवल 500 शब्दों में, दिए गए A4 पेपर पर, 40 मिनट के अंतराल में अपने लेखन को लिखना होगा।

चर्चा करने वालों को अपने विचारों को कहने के लिए 4 मिनट का समय दिया जायेगा।

मूल्यांकन करनेवाले 2-3 जज होंगे जो आपके चर्चा /लेखन इस मानदंड पर करेंगे।

क्रमांक	**मानदंड**	**अंक**
1.	रचनात्मकता (Creativity)	40%
2.	संरचना (Structure)	20%
3.	विषय से अनुपालन (Adherence to Topic)	20%
4.	व्याकरण (Grammar)	10%
5.	लम्बाई (Length)	10%
	कुल (Total)	**100%**

(समझने के लिए अगले पृष्ट में एक नमूना दिया गया है)

बाईबल का खंड: लुका 19 : 1-10

सामाजिक मद्दे का विषय : भ्रष्टाचार और परिवर्तन (Corruption and Transformation) (500 शब्द)

ज़कई जैसे लोगों ने चुंगी लेने वाले मुख्य अधिकारी की नौकरी प्राप्त करने के लिए सरकार को मोटी रकम दी होगी। ऐसी नौकरियां नीलामी में अधिक से अधिक बोली लगाने वालों को दी जाती, क्यूंकि ये चुंगी के अधिकारीयों की ज़िम्मेदारी होती थी की वह लोगों से प्रापत किये हुए कर की रकम सरकारी खाते में एक कोटा के अनुसार जमा करे।

कोटे के आलावा प्रापत हुई रकम मुख्य अधिकारी स्वयं अपने पास रख सकता था। इस के कारण समाज में एक घूसखोरी का ज़रया बन गया। जिनके पास साधन होते थे वह अपने कर या चुंगी को अधिकारीयों को रिश्वत देकर अनुचित मूल्याङ्कन करवाके अपने अनसारु करों के अनुकूल बना देते थे और जो कोई रिश्वत देने की स्तिथि में नहीं होता वह चुंगी के अधिकारीयों के अन्य्याय पूर्ण मूल्याङ्कन के पात्र बन जाते थे।

एक भारतीय नागरिक होने के नाते यह स्तिथि नई नहीं है। हमें भ्रष्टता अपने चारो ओर दिखाई देती है। यद्पि हमारे देश में 50% गरीब लोग है, परन्तु घोटाले के केस तो सिर्फ हिमशैल का एक छोटा सा हिस्सा है, इसमें करोडो रूपये गलत हाथों तक पहुँच जाते है। गरीब अपनी ज़रूरतों के लिए दिन रात कष्ट उठाता है। जिन साधनों से भारत देश का सुन्दर निर्माण हो सकता है वह साधन हमारे देश को अमीर गरीब के टुकड़ों में बाँट रहा है।

सरकारी व गैर सरकारी भ्रष्ट अधिकारीयों को सख्त कानूनी सज़ा होनी चाहिए। सख्त से सख्त कानूनी सज़ा ही इस प्रकार के अपराध और आरोपियों की रोक थाम में सहायक होगा। भरत देश को इस घूसखोरी के प्रतिबिम्ब को अपने ऊपर ताने हुए नहीं रखना चाहिए। यह प्रतिबिम्ब हर उस भारतीय नागरिक के लिए शर्मनाक साबित होता है जो इमानदारी का जीवन व्यतीत करना चाहता है। भ्रष्ट अधिकारी असल में राष्ट्रविरोधी होते है जिन्हे उजाले में लाना ज़रूरी है।

लेकिन क्या कड़ी सज़ा या रोक ही इस प्रकार के गैर सामाजिक प्रणाली को मिटा सकता है? भ्रष्टता के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए क्या विचार करा जा सकता है की भ्रष्ट अधिकारीयों में परिवर्तन का अशभप्राय है? क्या भ्रष्ट अधिकारी बदल सकते हैं? क्या मेरा जीवन इनपर परिवर्तन का प्रभाव डाल सकता है?

बदलाव जब आता है जब बदलाव की अत्यंत आवश्यकता हो। इनकी आवश्यकता क्या है? क्या इन भ्रष्ट अधिकारीयों के पास कुछ आवश्यकताएं भी होती हैं?

यीशु मसीह इसी प्रकार के 'भ्रष्ट अधिकारीयों' के दोस्त माने जाते थे..... (330/500 शब्दों में लेख लिखे। अपनी कल्पना के अनुसार लेख को पूरा करें।)

(यह लेख केवल एक नमूना है)